



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अनोखी धाम सेवा समिति द्वारा 10 जुलाई को पत्रकार कॉलोनी (मानसरोवर) के अनोखी धाम (श्री हनुमंत स्वरूप नीब करौरी महाराज) में आयोजित होने वाले गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पोस्टर का बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर विमोचन किया। इस दौरान अनोखी धाम सेवा समिति के अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा सहित प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मौजूद रहे।

भीलवाड़ा जिले के सबसे बड़े मेजा बाँध में 10 फीट पानी आया

भीलवाड़ा, 02 जुलाई, (निसं)। जिलेभर में बुधवार को कभी रिमझिम तो कभी मूसलाधार बारिश का दौर दिनभर जारी रहा।

शहर की निचली बस्तियों, अपडरब्रिज व बस स्टेण्ड मार्ग सहित कई मार्गों में पानी भरा होने से वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। मांडल क्षेत्र के सबसे बड़े मेजा बांध में भी बारिश से पानी की आवक लगातार जारी है। भीलवाड़ा जिले के इस सबसे बड़े बांध में अब तक 10 फीट पानी पहुंच चुका है, बागीर क्षेत्र में सुबह से ही बारिश के कारण और अधिक पानी की आवक की संभावनाएं जताई जा रही है।

मानसून की पहली जोरदार बारिश ने नगर निगम और यूआईटी की पोल खोलकर रख दी। भीलवाड़ा के कई इलाकों में तीन-तीन फीट पानी भर गया। दूसरी ओर मेजा बांध का जलस्तर बढ़ा है।

बारिश से पुलिस लाइन, यूआईटी के सामने, यातायात पुलिस चौकी, रामधाम के सामने, चन्द्रशेखर आजाद नगर सहित, शहर के सभी अपडरपास में पानी भर गया, जिससे लोगों को चपटों तक जाम में फंसे रहना पड़ा। इस मौसम की पहली जोरदार बारिश से रोडवेज बस स्टेण्ड से रामस्नेही अस्पताल के बाहर तक तीन फीट पानी भर गया और बस स्टेण्ड के आस-पास बनी नालियों व नाले फोन कचरा सड़कों पर आ गया। नगर निगम के बाहर भी कई जगह आधा फुट तक पानी भरा हुआ है।

नगर निगम और यूआईटी की लापरवाही से शहर में कई जगह सड़कें

मूसलाधार वर्षा से भीलवाड़ा शहर के कई इलाकों में तीन-तीन फीट पानी भरा

- ग्रामीण क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय में छत से टपकता पानी बिजली बोर्ड पर गिरा और दीवारों में करंट फैल गया। बच्चों को बिजली के झटके लगने लगे, प्रिंसिपल ने तुरंत कार्यवाही कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।

दुकानों और मकानों से ऊंची हो गई हैं जिस कारण मकानों और दुकानों में पानी घुसने लगा है। शहर में कई स्थानों पर तेज आंधी-तूफान के कारण करीब तीन घण्टे बिजली गुल रही जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जिले के मांडल में मानसून एक बार फिर मेहरबान हुआ है। सुबह से ही बारिश का दौर शुरू हुआ, जो देर शाम तक जारी है। लगातार बारिश के कारण हाइवे पर वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

भीलवाड़ा की रायला उस तहसील

राहुल गांधी की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में सार्वजनिक निर्माण विभाग संभाल रहे है।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता, जो राहुल गांधी की कार्यशैली और राजनीतिक सोच से परिचित हैं, ने बताया कि इससे पार्टी में भारी अटकलों का दौर चल पड़ा है।

और भी रोचक बात यह है कि इन नेताओं का कद जितना बड़ा है, कांग्रेस की स्थिति उतनी ही कमजोर होती गई है। “एक पद, एक व्यक्ति” का सिद्धांत राहुल गांधी के करीबी नेताओं पर लागू नहीं होता।

जैसे, कृष्णा अल्लुवेरा बिहार जैसे अहम चुनावी राज्य के प्रभावी हैं और साथ

ही युवा कांग्रेस के भी प्रभारी हैं। अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग नियम लागू हो रहे हैं।

एक बंद दरवाजे वाली व्यवस्था बना दी गई है, जिसमें कुछ खास लोगों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है, भले ही उन्होंने पार्टी को ऊपर उठाने में कोई ठोस योगदान न दिया हो।

भंवर जितेंद्र सिंह हर उस राज्य में असफल रहे, जहां उन्हें जिम्मेदारी दी गई, लेकिन इसके बावजूद उन्हें लगातार पदेनत किया जा रहा है।

राहुल गांधी को इन सवालों के जवाब देने होंगे, खासकर उनकी कोर टीम के कई सदस्यों के प्रदर्शन को लेकर।

सरकार ने आपदा अलर्ट सिस्टम शुरू किया

नई दिल्ली, 02 जुलाई। अगर आने वाले दिनों में आपके मोबाइल में भी कोई अलर्ट का मैसेज आए, जिसमें लिखा हो कि ये एक टैस्ट मैसेज है, तो आपको परेशान होने के अनुसाई है। दरअसल, ये मैसेज भारत सरकार के टेलीकॉम मंत्रालय की एक तैयारी का हिस्सा है, ताकि सरकार समय रहते आम लोगों को किसी आपदा या इमर्जेंसी की सूचना लोगों तक पहुंचा सके। दूरसंचार विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मिलकर देशभर में मोबाइल

- सिस्टम की टैस्टिंग शुरू हो गई है, सभी के मोबाइल में अलर्ट भेजा जा रहा है, पर इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

के छात्र सहयोगी प्रतिबंधित छात्र लीग के नेता बुलबुल को उनकी भूमिका के लिए दो महीने जेल की सजा सुनाई गई है। न्यायाधिकरण के सूत्रों के अनुसार, सजा तभी प्रभावी होगी, जब दोषी अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर देंगे या कानून प्रवर्तकों द्वारा गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

आरक्षित तथा 85 पद अनारक्षित होंगे। प्रत्येक रोस्टर में, आदेश की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए फ्रैक्शनल एनटाइटलमेंट का पूरा ध्यान रखा जायेगा। उदाहरण के लिए, जूनियर कोर्ट अडिस्टेंट के पदों पर 7वां, 15वां, 20वां, 27वां पद के लिए आरक्षित हैं, जबकि 14वां, 28वां, 40वां पद के लिए आरक्षित किया गया है। रोस्टर के साथ ही, दस्तावेज का भाग प्रत्येक पद के लिए इनिशियल आरक्षण रजिस्टर भी प्रस्तुत करता है, जो यह दिखाता है कि किस पद पर किस श्रेणी का व्यक्ति नियुक्त हुआ है। ये रजिस्टर अद्यतन दर्ताव्यवस्था के रूप में कार्य करेंगे और हर भीतरी चक्र में अपडेट किए जाएंगे।

24 जून को जारी परिपत्र सुप्रीम कोर्ट के सभी कर्मचारियों और आरक्षित तथा 85 पद अनारक्षित होंगे। प्रत्येक रोस्टर में, आदेश की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए फ्रैक्शनल एनटाइटलमेंट का पूरा ध्यान रखा जायेगा। उदाहरण के लिए, जूनियर कोर्ट अडिस्टेंट के पदों पर 7वां, 15वां, 20वां, 27वां पद के लिए आरक्षित हैं, जबकि 14वां, 28वां, 40वां पद के लिए आरक्षित किया गया है। रोस्टर के साथ ही, दस्तावेज का भाग प्रत्येक पद के लिए इनिशियल आरक्षण रजिस्टर भी प्रस्तुत करता है, जो यह दिखाता है कि किस पद पर किस श्रेणी का व्यक्ति नियुक्त हुआ है। ये रजिस्टर अद्यतन दर्ताव्यवस्था के रूप में कार्य करेंगे और हर भीतरी चक्र में अपडेट किए जाएंगे।

रजिस्ट्रारों को भेजा गया है, जिसमें कर्मचारियों को “सुपनैट” (कोर्ट की आंतरिक नेटवर्क प्रणाली) पर अपलोडेड आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर देखने का निर्देश दिया गया है। यदि किसी कर्मचारी को सूची में कोई त्रुटि या आपत्ति हो, तो उसे रजिस्ट्रार (भर्ती) को औपचारिक शिकायत के दा का प्राधान्य रखा गया है, जिससे उनकी शिकायत का समाधान हो सके।

रिजर्वेशन रोस्टर के अलावा, सर्वोच्च न्यायालय के सभी कर्मचारियों को भेजे गये संकुलर में लिखा गया है : “सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार, सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि मांडल आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर “सुपनैट” पर अपलोड कर दिए गए हैं और ये 23.06.2025 से प्रभावी हैं।”

के बैरा ग्राम पंचायत के राजस्व गांव इंदिरा कालोनी राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बुधवार सुबह जैसे ही बारिश शुरू हुई तो छत टपकने लगी, इस समय विद्यालय के कमरों में बच्चे मौजूद थे। धीरे-धीरे बिजली बोर्ड पर पानी गिरा और दीवारों में करंट फैल गया। दीवारों के पास बैठे बच्चों को बिजली के झटके लगने से हो-हल्ला मच गया।

प्रिंसिपल ज्योति जांगिड़ दौड़कर आई और सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और ग्रामवासियों को सूचना दी, तुरंत लाइट को बंद करवा कर अधिकारियों को सूचना दी गई। अधिकारियों ने तत्काल बिजली का कनेक्शन काट दिया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

यूक्रेन के लुहांस्क पर रूस का पूर्ण नियंत्रण

तीन साल तक चले युद्ध के बाद, अंततः रूस को मिली एक बड़ी सफलता

- रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने युद्ध विराम की संभावनाओं को खारिज कर दिया है।

लुहांस्क तीन साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध के बाद रूस की ओर से पूरी तरह से कब्जाया गया पहला यूक्रेनी क्षेत्र बन जाएगा। अमेरिका के नेतृत्व में किए गए शांति बहाली के प्रयासों के

आगे न बढ़ पाए के बीच यह बहुत बड़ी खबर दुनिया के सामने आ रही है। यह खबर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति बहाली की कोशिशों के लिए झटका है। इसके अलावा, इससे इस संघर्ष के और तेज होने की आशंका बढ़ गई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध विराम की संभावनाओं को सिर से नकार दिया है। वे अपनी शर्तों से समझौता करने को तैयार नहीं हैं। इन शर्तों में अवैध रूप से कब्जा किए गए

चार क्षेत्रों पर रॉस्को का नियंत्रण भी शामिल है। हालांकि, कब्जे वाले क्षेत्र के लिए रॉस्को की ओर से नियुक्त नेता लियोनिद पासचनिक के दावे पर कीव की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। सोमवार शाम को प्रसारित रूस के सरकारी टीवी चैनल वन पर बयान देते हुए पासचनिक ने कहा कि उन्हें दो दिन पहले ही एक रिपोर्ट मिली थी, जिसमें कहा गया था कि 100 प्रतिशत क्षेत्र अब रूसी सेना के नियंत्रण में है।

‘नास्तिक साम्यवादी पार्टी...’

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बल्कि तिब्बती जनता की धार्मिक संप्रभुता को भी पुनः स्थापित करती है। वर्षों से दलाई लामा व चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बीच विवाद चला आ रहा है कि अगला दलाई लामा कौन होगा।

पूर्व में वर्तमान दलाई लामा ने तिब्बत के एक सुदूर गांव के पांच वर्षीय बालक को दलाई लामा का अवतार घोषित किया था। लेकिन जैसे ही उसका नाम सार्वजनिक हुआ, चीनी अधिकारियों ने उसे अगवा कर लिया, और उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला।

उस घटना के बाद दलाई लामा ने कहा कि अगला अवतार “मुक्त विश्व” में होगा और समय आने पर वह प्रकट किया जाएगा। बाद में उन्होंने यह भी संकेत दिया था कि शापद वे अंतिम दलाई लामा हों, जिसे बीजिंग के लिए शांति के संकेत के रूप में देखा गया था। दलाई लामा ने अब तिब्बती लोगों व उनके धर्म पर नियंत्रण के चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के दावे पर प्रहार किया है। उन्होंने दो टुक शब्दों में कहा है कि एक नास्तिक कम्युनिस्ट पार्टी को यह अधिकार नहीं है कि वह तिब्बती लोगों के लिए आध्यात्मिक नेता नियुक्त करे।

यह विवाद भारत को भी अप्रत्यक्ष रूप से लपेट सकता है। क्योंकि चीन को यह बात खलती है कि भारत ने अभी भी दलाई लामा को शरण दे रखी है और उन्हें तिब्बती जनता पर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रभाव

बनाए रखने की स्वतंत्रता भी दे रखी है। भारत ने हमेशा स्पष्ट किया है कि दलाई लामा एक सम्मानित धार्मिक नेता हैं और देश की जनता उन्हें अत्यधिक सम्मान देती है।

तिब्बती जनता की निष्ठा को लेकर चीन और दलाई लामा के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। यह संघर्ष सिर्फ धार्मिक या सांस्कृतिक नहीं है, यह तिब्बत पर राजनीतिक नियंत्रण और वहां के लोगों की पहचान को मिटाने के प्रयास का हिस्सा भी है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी वर्षों से हान चीनी नागरिकों को तिब्बत में बसाकर तिब्बत के मूल निवासियों की पहचान को मिटाने की मुहिम चला रही है।

इसके साथ ही, तिब्बत में अनेक बार जनविद्रोह हुए हैं, जिन्हें सीपीसी ने बेरहमी से दबा दिया है। ये विद्रोह तिब्बती जनता की असहमति और पीड़ा की अभिव्यक्ति थे।

इससे पहले दलाई लामा ने कहा था कि जब वे अपने 90वें जन्मदिन के करीब होंगे, तब वे इस पद के उत्तराधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया व उद्देश्य की समीक्षा करेंगे।

अब, इस रविवार को अपने 90वें जन्मदिन के अवसर पर, धर्मशाला से उन्होंने औपचारिक घोषणा की है कि अगला दलाई लामा उनकी परिषद और पारंपरिक तिब्बती धार्मिक परंपराओं के अनुसार नामित किया जाएगा।

आरएसएस व मोदी-शाह द्वय के...

- संघ परिवार भी चौंहारे पर खड़ा है और दुविधा में है। एक तरफ उस नेता के प्रति वफादारी का सवाल है, जो चुनाव की दृष्टि से सबसे सफल नेता साबित हुआ है तथा दूसरी ओर सवाल है, पार्टी में “आइडियोलॉजिकल व संगठनात्मक” संतुलन बँटाने का, 2029 के चुनाव से पहले।

संघ के भीतर यह धारणा बढ रही है कि भाजपा में शक्ति के अत्यधिक केंद्रीकरण, जो अब लगभग पूरी तरह मोदी-शाह तक सीमित है, ने जमीनी कार्यकर्ताओं और वैचारिक निष्ठावान लोगों को हाशिए पर धकेल दिया है। संघ के कई सदस्यों का मानना है कि हाल की राज्य स्तर की नियुक्तियों संगठनात्मक योग्यता या वैचारिक प्रतिबद्धता के बजाय केवल मोदी के प्रति व्यक्तिगत निष्ठा के आधार पर की गई

हैं। यह असंतोष केवल वैचारिक नहीं है। कुछ प्रचारकों का मानना है कि आंतरिक लोकतंत्र के क्षरण और वैचारिक मूल्यों की अनदेखी ने भाजपा को कुछ प्रमुख राज्यों में चुनावी नुकसान पहुँचाया है। संघ के भीतर “नीति में सुधार” की चर्चाएं अब भीतर पकड़ने लगी हैं, विशेषकर ऐसे समय में जब संगठन अपनी शताब्दी वर्ष की तैयारी कर रहा है, जिसे कई लोग भाजपा

के साथ संबंधों की रणनीतिक पुनर्समीक्षा के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि आरएसएस और मोदी-शाह नेतृत्व इस आंतरिक संकट को कैसे संभालते हैं। भले ही खुले टकराव की संभावना कम हो, लेकिन आने वाले महीनों में संदेशों, नियुक्तियों और चुनावी रणनीतियों में बदलाव इस दिशा का संकेत दे सकते हैं।

फिलहाल, संघ परिवार एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ वह अपने सबसे सफल चुनावी नेतृत्व के प्रति वफादारी और 2029 के आम चुनावों से पहले संगठनात्मक व वैचारिक संतुलन बहाल करने की आवश्यकता के बची फंसा हुआ है।

संभाग में भारी वर्षा के कारण कोटा से धौलपुर तक अलर्ट जारी

चंबल पर बने सभी बाँधों से पानी लगातार छोड़ा जा रहा है, नदी-नाले उफान पर



कोटा संभाग में भारी वर्षा के बाद कोटा बैराज के 5 गेट खोल कर पानी की निकासी की गई।

कोटा, (निसं), 02 जुलाई। संभाग के चारों जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण हालात बिगड़ने लगे हैं। बीती रात तेज बारिश के बाद कई शहरों और कस्बों की निचली बस्तियों में पानी भर गया। इससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। दूसरी ओर नदी-नाले उफान पर हैं और चंबल से जुड़े बाँधों से बड़े स्तर पर पानी छोड़ा जा रहा है।

हालात को देखते हुए कोटा से धौलपुर तक अलर्ट जारी किया गया है। इस साल के शुरू से ही चंबल नदी पर बने बाँधों से पानी की निकासी जारी है। बुधवार को राणा प्रताप सागर बांध के गेट पहली बार खोले गए। डैम में 1.25 लाख क्यूसेक पानी का इम्फ्लो है ऐसे

- राणा प्रताप सागर बाँध से 39 हजार क्यूसेक, जवाहर सागर बाँध से 51 हजार क्यूसेक व कोटा बैराज से 75 हजार क्यूसेक पानी लगातार छोड़ा जा रहा है। केवल गांधी सागर बाँध में अभी 22.65 फीट पानी आना बाकी है।

में 33 हजार क्यूसेक पानी गेट से और 6100 क्यूसेक पानी मशीन से छोड़ा गया। यानी कुल 39 हजार क्यूसेक की निकासी हो रही है। डैम लगभग 98.30 प्रतिशत भर चुका है। इसकी क्षमता 1157.50 फीट है और इस समय जलस्तर 1156.56 फीट पहुँच चुका है। इसी तरह जवाहर सागर डैम से भी कुल 63,276 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

जल संसाधन विभाग के फ्लड कंट्रोल रूम की प्रभारी सहायक अभियंता निकिता पारेता ने बताया कि कोटा बैराज से भी 75,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बैराज की क्षमता 854 फीट है जिसे फिलहाल 852 फीट पर मेटेन किया गया है। कोटा बैराज के पांच गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। आरएमसी कैनाल में 15 और एलएमसी कैनाल में 50 क्यूसेक पानी

छोड़ा जा रहा है। निकिता पारेता ने बताया कि निकासी की मात्रा मौसम के अनुसार बढ़ाई भी जा सकती है।

हाड़ौती के दूसरे बांध, कालीसिंध नदी के भीमसागर डैम से 9270 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसी तरह उजाड़ नदी पर स्थित भीम सागर डैम से 1100 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। गांधी सागर बांध का फुल गेज 1312 फीट है लेकिन वर्तमान में यह 1289.35 फीट ही भरा हुआ है। ऐसे में अभी उसमें काफी पानी आना शेष है। गांधी सागर डैम की क्षमता 7164.95 मिलियन क्यूबिक मीटर है वर्तमान में उसमें पानी 3607.35 एमसीएम है, फिलहाल वह आधा खाली है।

इंडिया ब्लॉक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने चुनाव आयोग के उस नए निर्देश का भी विरोध किया, जिसमें कहा गया है कि सिर्फ पार्टी अध्यक्ष ही आयोग के दफ्तर में प्रवेश कर सकते हैं। सिंघवी ने कहा, पहली बार हमें चुनाव आयोग में प्रवेश के नियम बताए गए। पहली बार कहा गया कि सिर्फ पार्टी अध्यक्ष ही आ सकते हैं। इस तरह की पाबंदी से आयोग और राजनीतिक दलों के बीच जरूरी संवाद नहीं हो पाएगा।

ईरान ने फोर्डो एटॉमिक सेंटर पर काम शुरू किया

उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से यह खुलासा हुआ है

- ज्ञातव्य है कि इस क्षेत्र को अमेरिका की बमबारी से भारी नुकसान हुआ था।

तेहरान, 2 जुलाई। ईरान ने पिछले महीने अपने परमाणु संयंत्रों पर की गई अमेरिकी बमबारी के बाद फोर्डो परमाणु संयंत्र पर काम शुरू कर दिया है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मैक्सार टेक्नोलॉजीज की उपग्रह छवियों से उस संयंत्र तक पहुंचने के लिए एक नई सड़क के निर्माण और उपकरणों की तैनाती का पता चला है। उपग्रह द्वारा ली गयी तस्वीरों के अनुसार, ईरान अपने इस प्रमुख परमाणु संयंत्र में हुए नुकसान की मरम्मत के लिए रात-दिन काम कर रहा है और उपग्रह तस्वीरों में पहाड़ पर फोर्डो संयंत्र की ओर जाने वाली एक नई बनी सड़क दिख रही है। इसके साथ ही वहां कई वाहन भी दिख रहे हैं जिनमें एक उत्खनन वाहन और एक मोबाइल क्रेन शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट

में विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान (आईएसआईएस) के एक विश्लेषण का हवाला दिया गया, जिसमें कहा गया था कि उत्खनन वाहन संभवतः भूमिगत संयंत्र को हुए नुकसान का निरीक्षण करने के लिए कैमरों या कर्मचारियों को नीचे उतारने के लिए स्टेजिंग एरिया तैयार कर रहा था। सोमवार को आईएसआईएस अध्यक्ष डेविड अलब्राइट ने कहा कि मैक्सार की तस्वीरों से पता चलता है कि ईरान बम-प्रभावित दो स्थलों पर नीचे की ओर निरीक्षण की तैयारी कर रहा है।